HINDI SAHITYA – I (i)

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

निर्देश : निर्देशनुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाषा और वर्तनी का विशष ध्यान रखें :

1. निम्नलिखित पद्यांशों एवं गद्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै।
हाँसे बोलन में छवि–फूलन की वरषा उर ऊपर जाति है है।।
लट लोल कपोल कलोल करै, कल–कंठ बनी जलजाविल है।
अंग–अंग तरंग उठै दुति की, परि है मनौ रूप अबै धर च्वै।।

अथवा

दीपक के जलने में आली,
फिर भी है जीवन की लाली,
किन्तु पतंग–भाग्य–लिपि काली,
किसका वश चलता है ?
दोनों ओर प्रेम पलता है।

(ख) टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्तान। टके के वास्ते धर्म्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचे, टकें क वास्ते झूठी गवाही दें। टके के वास्ते पाप को पुण्य मानें, टके के वास्ते नीच को भी पितामह बनावें। वेद, धर्म्म कुल–मरजादा सचाई–बड़ाई सब टके सेर। लुटाय दिया अनमोल माल। ले टके सेर।

अथवा

गुरू जी, ऐसा तो संसार–भर में कोई देस ही नहीं है। दो पैसा पास रहने ही से मजे में पेट भरता है। मैं तो इस नगरी को छोड़कर नहीं जाऊँगा। और जगह दिन–भर मांगो तो भी पेट नहीं भरता। बरंच बाजे–बाजे दिन उपास करना पड़ता है। सो मैं तो यही रहूंगा।

(ग) जो जलता है, व्यंग्य उसी पर किया जाता है बेटा। तुम क्यों जल रहे हो ? जीवन को फूलों की सेज तुमने क्यों मान लिया ? फूल में भी कांटे होते हैं। विपरीत परिस्थिति में जो न डिगे वही पुरुष है और तुम जानते हो, सब–कुछ अनुकूल ही नहीं होता।

अथवा

जो आदमी जी–भर खा–पी नहीं सकता, हंस–हंसा नहीं सकता, वह जीवन में कर भी क्या सकता है ? चिन्ताओं और आपत्तियों के बन्धन ही क्या कम हैं जो जीवन को शिष्टाचार की बेड़ियों में जकड़ दिया जाय– यह न करो, वह न करों, ऐसे न बोलो, वैसे न बोलो इन आदेशों का कहीं अन्त भी है?

www.questionpaperesult.com

Scanned by CamScanner

II. 'भारतेन्दु हरिश्चंद्र' का साहित्यिक जीवन परिचय दें।

अथवा

'मैथिलीशरण गुप्त' के द्वारा लिखित 'साकेत' के गीत 'दोनों ओर प्रेम पलता है' का भावार्थ स्पष्ट करें। 12

III. 'अन्धेर नगरी' नाटक में भारतेन्दु जी ने अपने युग का यथार्थ–चित्रण किया है – इस कथन की पुष्टि करें।

अथवा

'अन्धेर नगरी' नाटक के आधार पर गोवर्धन दास का चरित्र–चित्रण करें। 12

IV. उपेन्द्रनाथ अश्क द्वारा रचित एकांकी 'तौलिये' का उद्देश्य स्पष्ट करें।

अथवा

'दस हज़ार' एकांकी के आधार पर 'विसाखाराम' का चरित्र–चित्रण करें। 12

V. निम्नलिखित सभी लघु प्रश्नों के उत्तर (छः या सात पंक्तियों में) दीजिए।

(क) भारतेन्दु जी ने श्री कृष्ण से क्या प्रार्थना की है ?

(ख) घनानन्द ने प्रिय की निष्ठुरता का किन शब्दों में वर्णन किया है ?

(ग) 'दरसो परसो घन, वरसो' शीर्षक गीत में गुप्त जी क्या कहना चाहते हैं ?

(घ) 'अन्धेर नगरी' नाटक मे हलवाई द्वारा जाति पाति के विषय में क्या कहा था ?

(ङ) 'अन्धेर नगरी' को देखते ही महन्त जी पर क्या प्रतिक्रिया हुई थी ?

(च) 'अन्धेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता को स्पष्ट करें।

(छ) चंपक को विदा करते समय किशोर ने क्या कहा ?

(ज) विसाखाराम ने बेटे के प्रति स्नेह दर्शाते हुए क्या कहा ?

(झ) निरंजन अपने मित्र मोहन के घर क्यों आता है ?

(ञ) 'सीमा रेखा' एकांकी में कौन–कौन से पात्रों को लिया गया है, उनके नाम स्पष्ट करें।

10×4=40

www.questionpaperesult.com

Scanned by CamScanner